THINK IAS JOIN SAMYAK

Samyak
An Institute For Civil Services

DAILY CURRENT नामा

5 अगस्त

9875170111
SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तिरुपुर में पत्थर के शिलालेखों की नकल कागज पर उतारेगा

सुर्खियों में क्यों ?

- *भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), मैसूर के पुरालेखविदों की एक टीम ने हाल ही में पल्लदम के पास कोविलपलायम में थलीश्वर मंदिर और तिरुपुर जिले के कुछ अन्य स्थानों पर पत्थर के शिलालेखों की नकल 'माप्लितो' कागजों पर करने का काम शुरू किया है।*

शिलालेखों की नकल पद्धति

- ***'एस्टाम्पेज' पद्धति का उपयोग करके नकल की जाती है:*** *इसमें, आगे के विश्लेषण के लिए स्याही लगे कागज पर शिलालेख की हूबहू नकल बनाई जाती है।*
- ***8 शिलालेखों की पहचान की गई:*** *एक शिलालेख, जो संभवतः 9वीं शताब्दी का है, वाट्टेझुथु में था। अन्य सात, जो संभवतः 12वीं शताब्दी के हैं, तमिल में थे।*

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई)

- *संस्कृति मंत्रालय के अधीन एएसआई, राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिए प्रमुख संगठन है।*
- *यह राष्ट्रीय महत्व के 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों का प्रबंधन करता है।*
- *इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण करना, पुरातात्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव आदि शामिल हैं।*
- *इसकी स्थापना 1861 में एएसआई के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी। अलेक्जेंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्व के जनक" के रूप में भी जाना जाता है।*

कार्किडका वावु बलि

- ***इसके बारे में :*** *केरल में हिंदुओं द्वारा अपने मृत पूर्वजों के सम्मान में किया जाने वाला एक अनुष्ठान।*
- ***किस दिन :*** *अमावस्या या अमावस्या के दिन।*
- ***महीना:*** *कार्किडकम (जुलाई से अगस्त) मलयालम कैलेंडर का आखिरी महीना है।*
- ***उद्देश्य:*** *वावुबली नामक इस समारोह के बारे में कहा जाता है कि यह दिवंगत लोगों को उनके सांसारिक बंधनों से मुक्त करता है और उनके परलोक में सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करता है।*

कैसे नई तकनीक चावल और गेहूं के खेतों में खरपतवार को मारने और पराली जलाने की जरूरत को खत्म करने में मदद करती है

सुर्खियों में क्यों ?

- कृषि वैज्ञानिक और नीति निर्माता लंबे समय से चावल और गेहूं की खेती के पारिस्थितिक प्रभाव को कम करने के तरीके खोज रहे हैं। हाल ही में मिली सफलताओं ने चावल और गेहूं की किस्मों के विकास को बढ़ावा दिया है जो खरपतवारनाशक इमेजेथापायर को सहन कर सकती हैं, जो पोषक तत्वों, पानी और सूरज की रोशनी के लिए फसलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने वाले खरपतवारों और घासों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करता है।

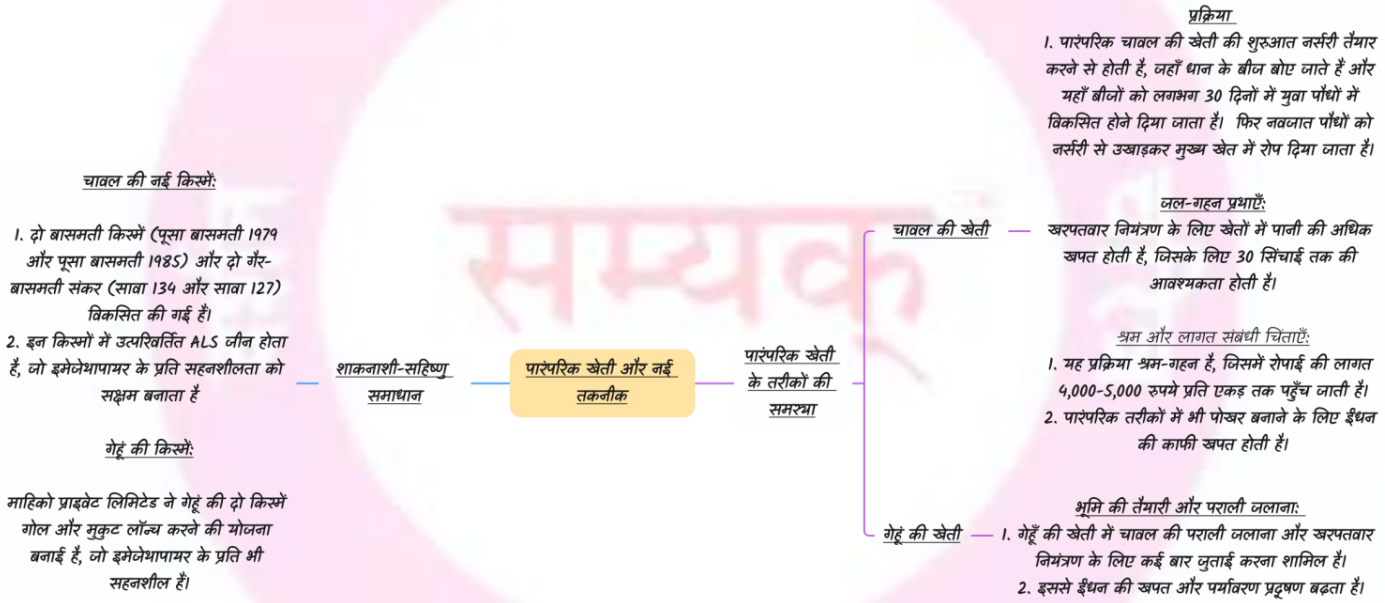

शाकनाशी-सहिष्णु फसलों के लाभ:

- **कुशल खरपतवार नियंत्रण:**
  - इमेजेथापायर व्यापक-स्पेक्ट्रम खरपतवार नियंत्रण प्रदान करता है, पोषक तत्वों, पानी और सूरज की रोशनी के लिए प्रतिस्पर्धा को कम करता है।
- **पर्यावरणीय लाभ:**
  - पानी और ईंधन की खपत में कमी।
  - पराली जलाने और उससे जुड़े प्रदूषण का उन्मूलन।

मौलिक समानता

सुर्खियों में क्यों ?

- *भारत के मुख्य न्यायाधीश ने पंजाब राज्य बनाम दविंदर सिंह केस 2024 (एससी/एसटी आरक्षण में उप-वर्गीकरण) में मौलिक समानता की अवधारणा को रेखांकित किया है।*
    - *उनके अनुसार संविधान अब समानता की एक ठोस व्याख्या को बढ़ावा देता है, आरक्षण का विस्तार करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।*

    - *मूलभूत समानता आरक्षण को योग्यता के अपवाद के रूप में नहीं बल्कि इसके एक पहलू के रूप में व्याख्या करती है*

आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौता

सुर्खियों में क्यों ?

- *हाल ही में, आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा के लिए 5वीं एआईटीआईजीए संयुक्त समिति और संबंधित बैठकें आसियान सचिवालय, जकार्ता (इंडोनेशिया) में आयोजित की गईं।*
- *यह आसियान और भारत के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि है*

आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य

- *यह आसियान के **दस सदस्य देशों और भारत** के बीच एक व्यापार समझौता है।*
- *इस पर 2009 में बैंकॉक, थाईलैंड में 7वें आसियान आर्थिक मंत्रियों-भारत परामर्श में हस्ताक्षर किए गए थे और यह 2010 में लागू हुआ।*
- *यह समझौता भौतिक वस्तुओं और उत्पादों के व्यापार को कवर करता है; यह सेवाओं के व्यापार पर लागू नहीं होता है।*

दक्षिण - पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ(आसियान)

एक क्षेत्रीय संगठन जिसकी स्थापना 1967 में बैंकॉक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर के साथ हुई थी।

संस्थापक सदस्य: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड।

वर्तमान में आसियान में **10 सदस्य देश** शामिल हैं, अर्थात् इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, लाओस, म्यांमार, कंबोडिया और वियतनाम

आसियान का आदर्श वाक्य है "एक दृष्टि, एक पहचान, एक समुदाय"।

आसियान सचिवालय - इंडोनेशिया, जकार्ता।

- *आसियान और भारत ने 2014 में एक अलग आसियान-भारत सेवा व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए।*

अन्य खबरें

चर्चा का विषय	महत्वपूर्ण जानकारी
ई-उपहार पोर्टल	• **इसके बारे में** - यह राष्ट्रपति सचिवालय, राष्ट्रपति भवन का एक नीलामी पोर्टल है, जो माननीय राष्ट्रपति और भारत के पूर्व राष्ट्रपतियों को भेंट की गई उपहार वस्तुओं की नीलामी करता है। नीलामी से प्राप्त राशि **जरूरतमंद बच्चों की मदद** के लिए दान कर दी जाएगी। • **शुरुवात** – पोर्टल 25 जुलाई, 2024 को लॉन्च • **हितधारक** - संकल्पना, डिजाइन, विकास और होस्टिंग **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** द्वारा
जापी	• **इसके बारे में** – यह **असम** की **एक पारंपरिक शंक्वाकार टोपी है** जो बुने हुए बांस और/या बेंत और टोकोउ पाट (बड़ा ताड़ का पत्ता) से बनाई जाती है।
विरासत प्रदर्शनी और राष्ट्रीय हथकरघा दिवस	**विरासत प्रदर्शनी** • **उद्देश्य:** 10वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाना • **आयोजक:** आयोजन भारत सरकार के **वस्त्र मंत्रालय**, के तत्वावधान में **राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनएचडीसी)** **राष्ट्रीय हथकरघा दिवस** • **ऐतिहासिक संदर्भ** - स्वदेशी आंदोलन: आर्थिक स्वतंत्रता के साधन के रूप में स्वदेशी उद्योगों, विशेष रूप से हथकरघा बुनाई को बढ़ावा देने के लिए 7 अगस्त, 1905 को शुरू किया गया। • **राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की स्थापना:** पहली बार **7 अगस्त, 2015** को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चेन्नई में मनाया गया। • **महत्व** - यह दिवस हथकरघा बुनाई समुदाय के महत्व और भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में इसकी भूमिका को याद करता है।
एस्ट्रोसैट और पिशाच तारा	**एस्ट्रोसैट के बारे में** • एस्ट्रोसैट पहला **समर्पित भारतीय खगोल विज्ञान मिशन** है जिसका उद्देश्य **एक्स-रे, ऑप्टिकल और यूवी स्पेक्ट्रल बैंड** में एक साथ आकाशीय स्रोतों का अध्ययन करना है। • इसे सितंबर, **2015** में पीएसएलवी-सी30 के जरिए लॉन्च किया गया था।

	पिशाच तारे के बारे में • *पिशाच तारे, को खगोलशास्त्री* ***ब्लू स्ट्रैगलर तारे*** *(बीएसएस) के नाम से भी जानते हैं।* • *ये तारे तारकीय विकास के सरल मॉडलों को चुनौती देते हैं और युवा सितारों की कई विशेषताएं दिखाते हैं।* • *इस विषम यौवन को सैद्धांतिक रूप से एक द्विआधारी तारकीय साथी से सामग्री खाने से कायाकल्प के कारण समझाया गया है।*
पिच ब्लैक अभ्यास	• *यह प्रतिभागियों के बीच अंतरसंचालनीयता बढ़ाने और संबंधों को मजबूत करने के लिए एक* ***बहुराष्ट्रीय द्विवार्षिक अभ्यास*** *है। इसमें भारतीय वायु सेना देश का प्रतिनिधित्व करती है।* • ***आयोजित –*** *यह रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) द्वारा आयोजित* • *'पिच ब्लैक' नाम बड़े, निर्जन क्षेत्रों में रात्रि के समय उड़ान भरने पर जोर देने के कारण लिया गया था।*
चार (रिंग) छल्ले वाली तितली	• *एक नए अध्ययन में कहा गया है कि 61 साल बाद भारत में फिर से तितली दिखाई दी। इस तितली को 2018 में नमदाफा राष्ट्रीय उद्यान में देखा गया था।* • ***वैज्ञानिक नाम:*** *यथिमा कैंटली, सैंटिरिने तितली की एक प्रजाति।* • ***भारत में –*** *दर्ज 35 यथिमा प्रजातियों में से 23* ***पूर्वोत्तर*** *से रिपोर्ट की गई हैं* • ***उच्चतम यथिमा विविधता:*** *चीन, विशेष रूप से युन्नान और सिचुआन प्रांतों में।* ***नमदाफा राष्ट्रीय उद्यान, अरुणाचल प्रदेश*** • ***नमदाफा:*** *पार्क में निकलने वाली एक नदी जो नोआ-देहिंग नदी से मिलती है।* ○ ***नोआ-देहिंग नदी:*** *ब्रह्मपुत्र की एक सहायक नदी और राष्ट्रीय उद्यान के मध्य में उत्तर-दक्षिण दिशा में बहती है।* • ***जलवायु:*** *उपोष्णकटिबंधीय जलवायु।*

- ***स्थान:*** *मिशमी पहाड़ियों की दफा बम श्रेणी और पटकाई श्रेणी के बीच स्थित है।*
- ***आकार:*** *चौथा सबसे बड़ा : हेमिस राष्ट्रीय उद्यान, लद्दाख, डेजर्ट राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान और गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान, उत्तराखंड के बाद भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान*
- ***महत्व:***
    - *भारत में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की संभावित सूची में शामिल।*
    - *दुनिया का एकमात्र पार्क जिसमें बड़ी बिल्ली की चार प्रजातियाँ पाई जाती हैं, अर्थात् बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और बादलदार तेंदुआ।*
    - *नमदाफा उड़ने वाली गिलहरी जैसी गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियाँ यहाँ पाई जाती हैं, इस प्रजाति को आखिरी बार 1981 में देखा गया था।*

राजस्थान से सम्बंधित समसामयिक घटनाएँ

जोधपुर में तैनात होंगे अपाचे हेलीकॉप्टर

- *भारतीय सेना द्वारा एएच- 64 ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर की पश्चिमी फ्रंट पर अक्टूबर 2024 से जोधपुर मिलिट्री स्टेशन पर तैनाती की जाएगी।*
- *जोधपुर में 6 अपाचे हेलीकॉप्टर की तैनाती की जाएगी।*
- *केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने 2022 में बोइंग से थलसेना के लिए 6 हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए करार किया था।*
- *वर्तमान में जोधपुर में थल सेना की एविएशन कोर के पास एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर रुद्र भी तैनात हैं।*

अपाचे हेलीकाप्टर की विशेषताएँ

- *2.75 इंच रॉकेट, 30 एमएम चेन गन से लैस।*
- *16 हेलीफायर मिसाइल और 76 रॉकेट की ताकत।*

- *1 मिनट में 600 राउंड फायर, 1200 राउंड से लैस।*
- *अंधेरे में दुश्मन को ढूंढकर अटैक और राडार से बचने की क्षमता।*
- *मल्टी रोल टास्किंग के हर ऑपरेशन करने की ताकत।*
- *मल्टी रोल कॉम्बेट हेलीकॉप्टर में हेलीफायर और स्ट्रिंगर जैसे घातक हथियार और मिसाइल लगी हैं।*
- *इसमें रात के खराब मौसम और कठिन परिस्थितियों के बावजूद टारगेट को नष्ट करने की क्षमता है।*

किशनगढ़ में एयरक्राफ्ट फ्लाइंग स्कूल का उद्घाटन

- *राजस्थान के किशनगढ़ में 4 अगस्त 2024 को राज्य के पहले एयरक्राफ्ट फ्लाइंग स्कूल का उद्घाटन किया।*
- *नोट: राजस्थान में क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नागरिक विमानन नीति, 2024 को 02 जुलाई 2024 को राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान की थी।*
- *इसके तहत किशनगढ़, झालावाड़ और भीलवाड़ा में फ्लाइंग स्कूल खोलने का प्रावधान किया गया।*
- *इसके तहत कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाया जा रहा है।*
- *यह नीति विमानन प्रशिक्षण सुविधाओं, विमानन रख-रखाव सेवाओं को बढ़ाने और एयरोस्पेस गतिविधियों को विकसित करने पर केंद्रित है।*
- *इसके अलावा जयपुर में एयरोसिटी बनाई जाएगी, जिसमें होटल, रेस्त्रां सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।*

शिक्षा विभाग ने शिक्षा भूषण व शिक्षा श्री प्रावधानों में किया बदलाव

- *भामाशाह सम्मान के नियमों में शिक्षा विभाग ने बदलाव किया है।*
- *शिक्षा विभाग ने शिक्षा भूषण सम्मान के लिए सहयोग राशि 30 लाख रुपये से घटाकर 15 लाख रुपये और शिक्षा श्री सम्मान के लिए 5 लाख रुपये से घटाकर 1 लाख रुपये की है।*
- *अब 15 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का सहयोग करने वाले भामाशाहों को राज्य स्तर पर शिक्षा भूषण और 1 लाख से 15 लाख तक का सहयोग करने वाले को जिला स्तर पर शिक्षा श्री सम्मान प्रदान किया जाएगा।*
- *इससे पहले 30 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का सहयोग करने वाले भामाशाहों को राज्य स्तर पर शिक्षा भूषण और 5 लाख रुपये से 30 लाख रुपये तक का सहयोग करने वाले को जिला स्तर पर शिक्षा श्री सम्मान देने का नियम लागू किया था।*
- *नोट: राज्य स्तरीय शिक्षा विभूषण सम्मान के प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।*
- *यह सम्मान 1 करोड़ रुपए से अधिक का सहयोग करने वाले को मिलेगा।*